

बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम्

दिनांक – 08 - 03-2021

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

तत्पुरुष समास के भेद :- वैसे तो तत्पुरुष समास के 8 भेद होते हैं किन्तु विग्रह करने की वजह से कर्ता और सम्बोधन दो भेदों को लुप्त रखा गया है। इसलिए विभक्तियों के अनुसार तत्पुरुष समास के 6 भेद होते हैं :-

1. कर्म तत्पुरुष समास
2. करण तत्पुरुष समास
3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास
4. अपादान तत्पुरुष समास
5. सम्बन्ध तत्पुरुष समास
6. अधिकरण तत्पुरुष समास

1. कर्म तत्पुरुष समास क्या होता है :- इसमें दो पदों के बीच में कर्मकारक छिपा हुआ होता है। कर्मकारक का चिन्ह 'को' होता है। 'को' को कर्मकारक की विभक्ति भी कहा जाता है। उसे कर्म तत्पुरुष समास कहते हैं।

जैसे :-

- रथचालक = रथ को चलने वाला
- ग्रामगत = ग्राम को गया हुआ
- माखनचोर =माखन को चुराने वाला
- वनगमन =वन को गमन
- मुंहतोड़ = मुंह को तोड़ने वाला

- स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग को प्राप्त
- देशगत = देश को गया हुआ
- जनप्रिय = जन को प्रिय
- मरणासन्न = मरण को आसन्न
- गिरहकट = गिरह को काटने वाला
- कुंभकार = कुंभ को बनाने वाला
- गृहागत = गृह को आगत
- कठफोड़वा = कांठ को फोड़ने वाला
- शत्रुघ्न = शत्रु को मारने वाला
- गिरिधर = गिरी को धारण करने वाला
- मनोहर = मन को हरने वाला
- यशप्राप्त = यश को प्राप्त

2. **करण तत्पुरुष समास क्या होता है :-** जहाँ पर पहले पद में करण कारक का बोध होता है। इसमें दो पदों के बीच करण कारक छिपा होता है। करण कारक का चिन्ह या विभक्ति 'के द्वारा' और 'से' होता है। उसे करण तत्पुरुष कहते हैं।

जैसे :-

- स्वरचित = स्व द्वारा रचित
- मनचाहा = मन से चाहा
- शोकग्रस्त = शोक से ग्रस्त
- भुखमरी = भूख से मरी
- धनहीन = धन से हीन
- बाणाहत = बाण से आहत
- ज्वरग्रस्त = ज्वर से ग्रस्त
- मदांध = मद से अंधा
- रसभरा = रस से भरा